THE DEEUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a) Government have no knowledge of such a presentation.

(b) and (c) Do not arise.

नागाओं द्वारा हथियारों सहित आत्म-समर्पण

5178. **श्री शारदा नन्द :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री श्रीचन्द गोयल :
श्री ज्ञा० सुन्दर लाल :
श्री बलराज मधोक :

क्या **वैदेशिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सितम्बर, 1964 में शान्ति समझौता होने के बाद से अब तक नागालैंड में कितने विद्रोही नागाओं ने हथियारों सहित आत्मसमर्पण किया है;

(ख) उक्त अवधि में कितने विद्रोही नागा पकड़े गए हैं;

(ग) इन नागाओं ने उक्त अवधि में कितनी बार शान्ति समझौते का उल्लंघन किया है;

(घ) उनके द्वारा उक्त अवधि में कितनी राजनैतिक हत्याएं की गईं; और

(ङ) भविष्य में उनके विरुद्ध सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुरेन्द्रपाल सिंह) : (क) जिन छिपे नागाओं ने अपने हथियारों समेत अथवा हथियारों के बिना सुरक्षा बल के समक्ष आत्म-समर्पण किया है उनकी कुल संख्या 2371 है । हथियारों के साथ आत्म-समर्पण करने वालों के अलग से आंकड़े सुलभ नहीं हैं।

(ख) सुरक्षा बल द्वारा पकड़े गए छिपे नागाओं की संख्या 2585 है ।

(ग) छिपे नागाओं ने कार्रवाई स्थगन प्रस्ताव का कई बार उल्लंघन किया है ।

(घ) छिपे नागाओं ने करीब 50 राजनीतिक हत्याएं की हैं।

(ङ) सरकार का विचार कानून को न मानने वाले ऐसे तत्वों के साथ सख्ती से पेश आने का है जो राज्य की शांति भंग करने और प्रगति में रोड़ा अटकाने पर कटिबद्ध हैं।

बर्मा से विद्रोही नागाओं का भारत में प्रवेश

5179. **श्री रामावतार शर्मा :**
श्री शिव कुमार शास्त्री :

क्या **वैदेशिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बर्मा से प्रवेश करने वाले लगभग 150 विद्रोही नागाओं के पास चीनी स्वचालित हथियार थे;

(ख) क्या सरकार ने ऐसे व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रतिबन्ध लगाने के लिए बर्मा सरकार से कोई बातचीत की है; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो ऐसे व्यक्तियों के प्रवेश को रोकने के लिए क्या कार्यवाही करने का सरकार का विचार है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुरेन्द्रपाल सिंह) : (क) गत मार्च में, चीनी हथियारों और गोला-बारूदों के साथ मोबू अंगामी और आइजक स्वू के जिन दलों ने भारत में प्रवेश किया था, उसके बाद